उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री प्रथम सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-01
पत्र: प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
(प्रारंभ से 550 ई. तक)

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोतों एवं प्रमुख सभ्यताओं को समझ सकेंगे।
2. वैदिक संस्कृति, जैन धर्म, बौद्ध धर्म एवं महाजनपदों का अध्ययन कर सकेंगे।
3. मौर्य साम्राज्य की उपलब्धियों, प्रशासन एवं अशोक के धम्म को समझ सकेंगे।
4. मौर्योत्तर काल के प्रमुख राजवंशों एवं उनके सांस्कृतिक योगदान का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
5. गुप्त एवं वाकाटक काल की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	इतिहास की परिभाषा, इतिहास का अर्थ प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के साहित्यिक स्रोत एवं पुरातात्विक स्रोत सिंधु सरस्वती सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता): खोज, सभ्यता का विस्तार, तिथि, मुख्य स्थल, विशेष इमारतें, नगरों की विशेषताएँ, राजनीतिक अवस्था, सामाजिक अवस्था, आर्थिक अवस्था, धार्मिक अवस्था, कला एवं पतन
2	वैदिक संस्कृति (ऋग्वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल): राजनीतिक अवस्था, सामाजिक अवस्था, धार्मिक अवस्था, आर्थिक अवस्था जैन धर्म: पार्श्वनाथ, महावीर स्वामी का जीवनवृत्त, महावीर स्वामी के सिद्धांत और दर्शन, प्रसार एवं पतन, श्वेतांबर एवं दिगंबर संप्रदाय, जैन संगतियाँ बौद्ध धर्म: महात्मा बुद्ध का जीवनवृत्त, महात्मा बुद्ध के सिद्धांत और दर्शन, प्रसार एवं पतन, हीनयान, महायान एवं वज्रयान संप्रदाय, बौद्ध संगतियाँ
3	16 महाजनपद ईरानी-यूनानी आक्रमण, प्रभाव मौर्य साम्राज्य: चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक की विजय एवं उपलब्धियाँ, चंद्रगुप्त मौर्य की प्रशासनिक व्यवस्था, अशोक का धम्म एवं मेगस्थनीज का विवरण

4	सम्राट विक्रमादित्य: परिचय, विजय एवं उपलब्धियाँ, न्याय व्यवस्था शुंग राजवंश: परिचय, पुष्यमित्र शुंग की विजय एवं उपलब्धियाँ सातवाहन वंश: परिचय, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वशिष्ठीपुत्र श्री पुलुमावी एवं यज्ञश्री शातकर्णी की विजय एवं उपलब्धियाँ कुषाण राजवंश: परिचय, कनिष्क की विजय एवं उपलब्धियाँ, गांधार-मथुरा मूर्ति कला इंडो-ग्रीक: परिचय, डिमिट्रियस, युक्रेटाइडीज, मीनान्डर क्षत्रप वंश: परिचय, महाराष्ट्र एवं उज्जयिनी शक क्षत्रप मौर्योत्तर कालीन साहित्य, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक अवस्था
5	गुप्त राजवंश: समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त प्रथम एवं स्कंदगुप्त प्रथम की विजय एवं उपलब्धियाँ गुप्तकालीन प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक अवस्था, आर्थिक अवस्था एवं धार्मिक अवस्था गुप्त काल—स्वर्ण युग: साहित्यिक, विज्ञान और कला की उन्नति फाहियान का विवरण हूण: परिचय, तोरमाण एवं मिहिरकुल वाकाटक राजवंश: परिचय, पृथ्वीसेन प्रथम, रुद्रसेन द्वितीय, हरिषेण

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. विमल चंद्र पाण्डेय, प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास,भाग-1 और भाग-2,सेंट्रल पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद
2. शिवस्वरूप सहाय, प्राचीन भारतीय राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, स्टूडेंट फ्रेंड्स, इलाहाबाद
3. वी. डी.महाजन, प्राचीन भारत का इतिहास, एस.चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
4. के. सी.श्रीवास्तव,प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति,यूनाइटेड बुक डिपो, इलाहाबाद
5. ईश्वरी प्रसाद, शैलेंद्र शर्मा, भारत का प्राचीन इतिहास, मीनू पब्लिकेशंस,इलाहाबाद
6. द्विजेंद्र नारायण झा, कृष्ण मोहन श्रीमाली, प्राचीन भारत का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
7. एल.पी. शर्मा, प्राचीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
8. सत्यकेतु विद्यालंकार,प्राचीन भारत (प्रारंभ से 1206 ई. तक), श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली
9. कौलेश्वर राय,प्राचीन भारत, किताब महल, नई दिल्ली
10. आर.सी. मजूमदार,प्राचीन भारत,मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
11. राजबली पाण्डेय, प्राचीन भारत, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री द्वितीय सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-02

पत्र: प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (551 ई. से 1300 ई. तक)

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. 551 ई. से 1300 ई. तक के प्रमुख राजवंशों एवं राजनीतिक घटनाओं को समझ सकेंगे।
2. पाल, सेन, राजपूत तथा दक्षिण भारतीय राजवंशों की प्रमुख उपलब्धियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. राजपूत, चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव एवं चोल कालीन संस्कृति को समझ सकेंगे।
4. इस काल की शासन व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।
5. भारत के मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया एवं पश्चिमी विश्व से सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संबंधों को समझ सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	मालवा का राजा यशोधर्मन कन्नौज का मौखरि राजवंश: ईशानवर्मा, ग्रहवर्मा गौड़ नरेश शशांक वर्धन राजवंश: परिचय, सम्राट हर्ष—प्रारंभिक जीवन, युद्ध और विजय, साम्राज्य विस्तार, शासन प्रबंध एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, शिक्षा, साहित्य, कला ह्वेनसांग का विवरण नए राज्यों का उदय: कन्नौज का शासक यशोवर्मन कश्मीर का राज्य: ललितादित्य मुक्तापीड पाल राजवंश: परिचय, धर्मपाल, देवपाल
2	सेन राजवंश: परिचय, बल्लालसेन, लक्ष्मणसेन वर्मन राजवंश: परिचय, भास्करवर्मन राजपूत राजवंश: गुर्जर-प्रतिहार राजवंश: परिचय, नागभट्ट द्वितीय, मिहिर भोज प्रथम, महेंद्रपाल प्रथम गहड़वाल (राठौर) राजवंश: परिचय, गोविंदचंद्र, जयचंद्र चाहमान राजवंश: परिचय, विग्रहराज चतुर्थ, पृथ्वीराज तृतीय परमार राजवंश: परिचय, वाक्पतिमुंज, भोजराज चंदेल राजवंश: परिचय, धंग, विद्याधर

	कलचुरी-चेदि राजवंश: परिचय, गांगेयदेव विक्रमादित्य, कर्णदेव चौलुक्य (सोलंकी) राजवंश: परिचय, भीमदेव प्रथम, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल
3	दक्षिण भारत: बादामी (वातापी), कल्याणी, वेंगी (आंध्र) के चालुक्य: परिचय, पुलकेशिन द्वितीय, सोमेश्वर प्रथम, विक्रमादित्य षष्ठ, विजयादित्य तृतीय राष्ट्रकूट राजवंश: परिचय, ध्रुव धारावर्ष, गोविंद तृतीय, अमोघवर्ष, कृष्ण तृतीय पल्लव राजवंश: परिचय, महेंद्रवर्मन प्रथम, नरसिंहवर्मन प्रथम, नरसिंहवर्मन द्वितीय चोल राजवंश: परिचय, राजराज प्रथम, राजेंद्र प्रथम
4	राजपूत युगीन संस्कृति: शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन (व्यापार एवं वाणिज्य), धार्मिक जीवन, साहित्य और कला चालुक्य युगीन संस्कृति: शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन (व्यापार एवं वाणिज्य), धार्मिक जीवन, साहित्य और कला राष्ट्रकूट कालीन संस्कृति: शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन (व्यापार एवं वाणिज्य), धार्मिक जीवन, साहित्य और कला पल्लव कालीन संस्कृति: शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन (व्यापार एवं वाणिज्य), धार्मिक जीवन, साहित्य और कला चोल कालीन संस्कृति: शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन (व्यापार एवं वाणिज्य), धार्मिक जीवन, साहित्य और कला
5	बृहत्तर भारत: भारत के मध्य एशिया, अफगानिस्तान, चीन, तिब्बत के साथ सांस्कृतिक संबंध भारत के दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ सांस्कृतिक संबंध भारत का पाश्चात्य विश्व के साथ व्यापारिक संबंध

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. विमल चंद्र पाण्डेय, प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास,भाग-1 और भाग-2,सेंट्रल पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद
2. शिवस्वरूप सहाय, प्राचीन भारतीय राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, स्टूडेंट फ्रेंड्स, इलाहाबाद
3. वी. डी.महाजन, प्राचीन भारत का इतिहास, एस.चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
4. के. सी.श्रीवास्तव,प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति,यूनाइटेड बुक डिपो, इलाहाबाद
5. ईश्वरी प्रसाद, शैलेंद्र शर्मा, प्राचीन भारत का इतिहास, मीनू पब्लिकेशंस,इलाहाबाद
6. द्विजेंद्र नारायण झा, कृष्ण मोहन श्रीमाली, प्राचीन भारत का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
7. एल.पी. शर्मा, प्राचीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
8. सत्यकेतु विद्यालंकार,प्राचीन भारत (प्रारंभ से 1206 ई. तक), श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली
9. कौलेश्वर राय,प्राचीन भारत, किताव महल, नई दिल्ली
10. आर.सी. मजूमदार,प्राचीन भारत,मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
11. राजबली पाण्डेय, प्राचीन भारत, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री तृतीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम, (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-03
पत्र: मध्यकालीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
सल्तनत काल (711 ई. से 1525 ई. तक)

क्रेडिट: 04
पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. सल्तनत काल के प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम एवं राजवंशों को समझ सकेंगे।
2. खिलजी, तुगलक, सैयद, लोदी एवं बहमनी वंश की प्रमुख उपलब्धियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. विजयनगर साम्राज्य एवं सल्तनतकालीन शासन व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
4. सल्तनत कालीन समाज, अर्थव्यवस्था, धर्म, स्थापत्य एवं कला की विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।
5. भक्ति एवं सूफी आंदोलनों के उद्भव, प्रमुख संतों तथा भारतीय समाज पर उनके प्रभाव को समझ सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	अरब आक्रमण: सिंध तथा मुल्तान पर अरबों की विजय, तुर्की आक्रमण: महमूद गजनवी एवं मुहम्मद गौरी का आक्रमण, तुर्कों की सफलता के कारण एवं प्रभाव गुलाम (दास) वंश: कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया सुल्तान एवं गयासुद्दीन बलबन: प्रारंभिक जीवन, राज्यारोहण, सैनिक अभियान, तुर्कान-ए-चिहालगानी, बलबन का राजत्व संबंधी सिद्धांत
2	खिलजी वंश: परिचय अलाउद्दीन खिलजी: प्रारंभिक जीवन, राज्यारोहण, गृह एवं विदेश नीति, उत्तर-दक्षिण अभियान, प्रशासनिक एवं आर्थिक सुधार तुगलक वंश: परिचय मोहम्मद बिन तुगलक: प्रारंभिक जीवन, राज्यारोहण, सैनिक अभियान, गृह नीति, विदेश नीति फिरोज शाह तुगलक: प्रारंभिक जीवन, राज्यारोहण, गृह नीति, विदेश नीति
3	सैयद वंश: परिचय, खिज्र खाँ, मुबारकशाह, मुहम्मद शाह लोदी वंश: परिचय सिकंदर लोदी एवं इब्राहिम लोदी: राज्यारोहण, गृह नीति, विदेश नीति बहमनी साम्राज्य: उत्पत्ति, मुहम्मद शाह द्वितीय, मुहम्मद शाह तृतीय, महमूद गवाँ

4	विजयनगर साम्राज्य: उत्पत्ति, संगम वंश, सलुव वंश, तुलुव वंश, तालीकोटा का युद्ध, अरविदु वंश, विजयनगर की शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, आर्थिक दशा, कला और साहित्य उत्तर-पश्चिमी सीमा नीति: मंगोल आक्रमण सल्तनत कालीन शासन व्यवस्था: केंद्रीय शासन, प्रांतीय शासन, स्थानीय शासन
5	समाज (हिंदू-मुस्लिम संबंध), आर्थिक दशा, धार्मिक दशा, स्थापत्य अथवा भवन निर्माण कला तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव भक्ति आंदोलन: भक्ति आंदोलन का प्रारंभ, प्रमुख संत एवं प्रचारक, प्रभाव सूफी संप्रदाय: उद्भव, चिश्ती सिलसिले, सुहरावर्दी सिलसिले, फिरदौसी सिलसिले, कादरी सिलसिले, नक्शबंदी सिलसिले, प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. बी. डी. महाजन, मध्यकालीन भारत, एस चंद एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली
2. आशीर्वाद लाल श्रीवास्तव,सल्तनत कालीन भारत, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी,आगरा
3. ए.के.मित्तल भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1206 ई. से 1707 ई. तक), साहित्य भवन, आगरा
4. जे. एल.मेहता, मध्यकालीन भारत का बृहत इतिहास, भाग -1, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव,हरियाणा
5. सतीश चंद्र,मध्यकालीन भारत, भाग 1-2, ओरिएंट ब्लैक स्वान,दिल्ली

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री चतुर्थ सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम, (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-04
पत्र: मध्यकालीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास मुगल काल
(1526 ई. से 1761 ई. तक)

क्रेडिट: 04
पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. मुगल साम्राज्य के प्रमुख शासकों एवं प्रमुख राजनीतिक घटनाओं को समझ सकेंगे।
2. शेरशाह सूरी एवं अकबर की शासन व्यवस्था तथा नीतियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. जहांगीर, शाहजहां एवं औरंगजेब के शासनकाल की प्रमुख घटनाओं एवं नीतियों को समझ सकेंगे।
4. मराठों के उत्कर्ष, शिवाजी एवं पेशवाओं की भूमिका तथा मुगल-मराठा संबंधों को समझ सकेंगे।
5. मुगलकालीन प्रशासन, साहित्य एवं कला की प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	बाबर: प्रारंभिक जीवन, प्रारंभिक अभियान, पानीपत का प्रथम युद्ध (इसका प्रभाव), खानवा का युद्ध, चंदेरी का युद्ध, घाघरा का युद्ध हुमायूँ: प्रारंभिक जीवन, हुमायूँ की प्रारंभिक कठिनाइयाँ, हुमायूँ के अभियान, हुमायूँ का पलायन, हुमायूँ की असफलता के कारण, हुमायूँ का पुनः सिंहासनारोहण एवं मृत्यु
2	शेरशाह सूरी: प्रारंभिक जीवन, शेरशाह के युद्ध, शासक बनने के पश्चात शेरशाह की विजय, शेरशाह की शासन व्यवस्था, शेरशाह का मूल्यांकन अकबर: प्रारंभिक जीवन, अकबर की प्रारंभिक कठिनाइयाँ, अकबर की साम्राज्यवादी नीति, अकबर की दक्षिण नीति, अकबर की राजपूत नीति, अकबर की धार्मिक नीति, दीन-ए-इलाही, अकबर की प्रशासनिक व्यवस्था एवं हेमचन्द्र विक्रमादित्य, महाराणा प्रताप
3	जहांगीर: प्रारंभिक जीवन, राज्याभिषेक, जहांगीर के शासनकाल की प्रमुख घटनाएँ, जहांगीर के विजय अभियान, जहांगीर-नूरजहां विवाह, नूरजहां का राजनीति में प्रवेश एवं प्रभाव, खुर्रम का विद्रोह, महावत खाँ का विद्रोह शाहजहां: प्रारंभिक जीवन, पिता के शासनकाल में सैनिक अभियान, सिंहासनारोहण, विद्रोह का दमन एवं अन्य विजय, शाहजहां की दक्षिण नीति, शाहजहां की ईरान व तूरान नीति, शाहजहां के अंतिम दिन एवं मृत्यु

4	औरंगजेब: प्रारंभिक जीवन, उत्तराधिकार का युद्ध, सिंहासनारोहण, औरंगजेब की उत्तर-पूर्वी सीमांत नीति, उत्तर-पश्चिमी सीमांत नीति, औरंगजेब की दक्षिण नीति, मराठों के साथ संघर्ष, राजपूत नीति, औरंगजेब की धार्मिक नीति, जाटों का विद्रोह, सतनामियों का विद्रोह, औरंगजेब और सिख, मुगल साम्राज्य के पतन के कारण बंदा बहादुर मराठों का उत्कर्ष: शिवाजी का प्रारंभिक जीवन, उद्देश्य, शिवाजी के अभियानों का प्रथम चरण, दूसरा चरण, राज्याभिषेक, राज्याभिषेक के पश्चात शिवाजी की विजय, शिवाजी का शासन प्रबंध, शिवाजी का मूल्यांकन पेशवाओं के अधीन मराठा: बालाजी विश्वनाथ, बाजीराव, पेशवा बालाजी बाजीराव, पानीपत का तृतीय युद्ध, पराजय के कारण एवं उसके परिणाम
5	मुगलकालीन शासन व्यवस्था: केंद्रीय शासन, प्रांतीय शासन, स्थानीय शासन, सैन्य व्यवस्था, राजस्व व्यवस्था, न्याय व्यवस्था मुगलकालीन साहित्य एवं कला

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. बी. डी. महाजन, मध्यकालीन भारत, एस चंद एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली
2. आशीर्वाद लाल श्रीवास्तव,मुगलकालीन भारत, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी,आगरा
3. ए.के.मित्तल भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1206 ई. से 1707 ई. तक), साहित्य भवन, आगरा
4. जे. एल.मेहता, मध्यकालीन भारत का वृहत इतिहास, भाग -2, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव,हरियाणा
5. आर.एस. शर्मा, हरबंस मुखिया, मुगल साम्राज्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. सतीश चंद्र,मध्यकालीन भारत, भाग 1-2, ओरिएंट ब्लैक स्वान,दिल्ली

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री पञ्चम सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम, (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-05
पत्र: आधुनिक भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1756 ई. से 1885 ई.)

क्रेडिट: 04
पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. भारत में अंग्रेजी सत्ता के उदय एवं विस्तार की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. ब्रिटिश शासन की प्रमुख नीतियों, प्रशासनिक सुधारों एवं भू-राजस्व व्यवस्थाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. 1857 के विद्रोह तथा विभिन्न जनजातीय, कृषक एवं असैनिक आंदोलनों के कारण एवं प्रभाव को समझ सकेंगे।
4. संवैधानिक विकास तथा सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों की प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
5. औपनिवेशिक शासन के भारतीय अर्थव्यवस्था, कृषि, हस्तशिल्प एवं उद्योगों पर प्रभाव का अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	बंगाल में अंग्रेजी शक्ति का उदय: ब्लैक होल, प्लासी का युद्ध, प्लासी के युद्ध का महत्व, मीर कासिम से संधि, मीर कासिम तथा ईस्ट इंडिया कंपनी, बक्सर का युद्ध तथा उसका महत्व कंपनी के गवर्नर जनरल: रॉबर्ट क्लाइव: इलाहाबाद की संधि, शाह आलम से संधि, द्वैध शासन वॉरेन हेस्टिंग्ज: सुधार, प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध, द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध लॉर्ड कॉर्नवालिस: सुधार, बंगाल का स्थायी बंदोबस्त, स्थायी बंदोबस्त का प्रभाव, तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध लॉर्ड वेलेजली: सहायक संधि, सहायक संधि का महत्व एवं प्रभाव, चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध, द्वितीय व तृतीय मराठा युद्ध लॉर्ड हेस्टिंग्स: आंग्ल-नेपाल युद्ध, सगौली की संधि, पिंडारी दमन, चतुर्थ मराठा युद्ध एवं मराठों का पतन
2	लॉर्ड विलियम बैंटिक: सुधार, सार्वजनिक कार्य लॉर्ड डलहौजी: द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध, विलय नीति, व्यपगत का सिद्धांत, अवध का विलय, सुधार अंग्रेजों की भू-राजस्व नीति: अंग्रेजों की भूमि कर व्यवस्था तथा प्रशासन, स्थायी जमींदारी व्यवस्था, महलवाड़ी पद्धति, रैयतवाड़ी पद्धति, मद्रास-मुंबई में भूमि कर व्यवस्था जनजातीय तथा असैनिक विद्रोह: संन्यासी, संथाल, अहोम विद्रोह, चुआर, कोल, खासिया, रमोसी, कोल्हापुर व सावंतवाड़ी विद्रोह, दीवान वेला टम्पी का विद्रोह, वहाबी विद्रोह

3	1857 का विद्रोह: स्वरूप, कारण, घटनाएँ, असफलता के कारण, प्रभाव लॉर्ड कैनिंग, लॉर्ड रिपन तथा लिटन: कार्य एवं सुधार लॉर्ड कर्जन: प्रशासनिक सुधार, 1905 का बंगाल विभाजन अंग्रेजी शिक्षा पद्धति तथा उसका प्रभाव: आंग्ल-प्राच्य विवाद, शिक्षा पर सर चार्ल्स वुड का राजपत्र, हंटर शिक्षा आयोग, भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904, सैडलर विश्वविद्यालय आयोग, हर्टोग समिति, वर्धा योजना, शिक्षा की सार्जेंट योजना, राधाकृष्णन आयोग 1948-49, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, कोठारी शिक्षा आयोग (1964-66)
4	संवैधानिक विकास: 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट, 1784 का पिट का इंडिया एक्ट, 1813 का चार्टर एक्ट, 1833 का चार्टर एक्ट, 1858 का अधिनियम, 1909 का भारतीय परिषद अधिनियम, 1919 का भारत सरकार अधिनियम, 1935 का भारत सरकार अधिनियम सांस्कृतिक जागरण, धार्मिक और सामाजिक सुधार: ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण आंदोलन, थियोसोफिकल सभा, वहाबी आंदोलन, अलीगढ़ आंदोलन, अहमदिया आंदोलन, देवबंद शाखा, सिख सुधार आंदोलन, ईश्वर चंद्र विद्यासागर
5	कृषक विद्रोह व आंदोलन: नील विद्रोह, दक्कन विद्रोह, मोपला विद्रोह, चंपारण विद्रोह, बारदोली आंदोलन औपनिवेशिक शासन के अधीन भारतीय अर्थव्यवस्था: धन का निकास, अनौद्योगीकरण, भारतीय हस्तशिल्प का ह्रास, भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रामीणकरण, भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण, भारत में आधुनिक उद्योगों का उत्थान

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. ए.के. मित्तल, भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1526 ई. से 1950 ई.) तक, साहित्य भवन,आगरा
2. बी. एल.ग्रोवर, यशपाल, आधुनिक भारत का इतिहास, एस.चंद एंड कंपनी लिमिटेड,नई दिल्ली
3. एम.एस.जैन, आधुनिक भारत का इतिहास, विश्व प्रकाशन, दिल्ली
4. हुकमचंद जैन,कृष्ण गोपाल शर्मा, भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास,भाग-2 राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी,जयपुर
5. सुमित सरकार,आधुनिक भारत,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
6. बिपिन चंद्र,आधुनिक भारत का इतिहास,ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
7. धनपति पांडे, आधुनिक भारत का इतिहास (दो भागों में), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री षष्ठ सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम, विषय: इतिहास, कोड: GE-06

पत्र: आधुनिक भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1785 ई. से 1947 ई.)

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के उदय, कांग्रेस की स्थापना एवं राष्ट्रवादी आंदोलनों को समझ सकेंगे।
2. क्रांतिकारी राष्ट्रवाद, असहयोग एवं सविनय अवज्ञा आंदोलनों की प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
3. स्वराज दल, साइमन कमीशन एवं संवैधानिक विकास से संबंधित प्रमुख घटनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
4. भारत छोड़ो आंदोलन, मुस्लिम सांप्रदायिकता तथा स्वतंत्रता आंदोलन के अंतिम चरण को समझ सकेंगे।
5. विभाजन, स्वतंत्रता प्राप्ति तथा रियासतों के विलय की प्रक्रिया एवं ऐतिहासिक महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	राजनीतिक जागृति एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना: जागृति के कारण, कांग्रेस की स्थापना, उदारवादी (1885-1905) व उग्रवादियों (1905-1919) का उदय, उद्देश्य, उनका आंदोलन तथा कार्यक्रम, स्वदेशी आंदोलन, सूरत में कांग्रेस का विभाजन प्रथम विश्व युद्ध और भारतीय राष्ट्रवादी: कांग्रेस एकता की स्थापना, कांग्रेस-लीग समझौता, होमरूल आंदोल
2	क्रांतिकारी राष्ट्रवाद (प्रथम चरण): पंजाब, महाराष्ट्र, बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन, विदेश में क्रांतिकारी आंदोलन खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन के कारण, रॉलेट अधिनियम, जलियांवाला कांड, असहयोग आंदोलन का कार्यक्रम, प्रभाव
3	स्वराज दल: उदय, स्थापना, कार्य एवं पतन, साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, पूर्ण स्वतंत्रता की मांग सविनय अवज्ञा आंदोलन: पृष्ठभूमि, दांडी यात्रा, प्रथम गोलमेज सम्मेलन, गांधी-इरविन समझौता, द्वितीय गोलमेज सम्मेलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन का दूसरा दौर, सांप्रदायिक निर्णय, पूना समझौता, तृतीय गोलमेज सम्मेलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन की समाप्ति, महत्व

4	क्रांतिकारी राष्ट्रवाद (द्वितीय चरण): क्रांतिकारी घटनाएँ, सुभाष चंद्र बोस एवं आजाद हिंद फौज, जल एवं वायुसेना के विद्रोह मुस्लिम सांप्रदायिकता का विकास: उदय के कारण, बंगाल विभाजन व मुस्लिम लीग की स्थापना, सांप्रदायिकता का विकास, दो राष्ट्र का सिद्धांत और पाकिस्तान की मांग, हिंदू महासभा क्रिप्स योजना: कारण, आगमन, आलोचना
5	भारत छोड़ो आंदोलन: कारण, आंदोलन प्रारंभ, असफलता के कारण, महत्व विभाजन की भूमिका: सी. आर. प्रस्ताव, शिमला सम्मेलन, वेवेल योजना, 1946 ई. के चुनाव, कैबिनेट मिशन योजना भारत का विभाजन: माउंटबेटन योजना, स्वतंत्रता प्राप्ति, भारत के स्वतंत्र होने के कारण, रियासतों का विलय

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. ए.के. मित्तल, भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1526 ई. से 1950 ई.) तक, साहित्य भवन,आगरा
2. बी. एल.ग्रोवर, यशपाल, आधुनिक भारत का इतिहास, एस.चंद एंड कंपनी लिमिटेड,नई दिल्ली
3. एम.एस.जैन, आधुनिक भारत का इतिहास, विश्व प्रकाशन, दिल्ली
4. हुकमचंद जैन,कृष्ण गोपाल शर्मा, भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास,भाग-2 राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी,जयपुर
5. सुमित सरकार,आधुनिक भारत,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
6. बिपिन चंद्र,आधुनिक भारत का इतिहास,ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
7. धनपति पांडे, आधुनिक भारत का इतिहास (दो भागों में), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली